nwda.gov.in

# सिक्किम की बाढ़ में 11 ब्रिज बहे, आठ एक ही जिले में, 277 घर टूटे

■ पीटीआई, गंगटोक

## 18 की जान गई, चुंगथांग शहर का 80% हिस्सा बुरी तरह प्रभावित

सिक्किम में ल्होनक झील पर बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ से राज्य में 11 पुल बह गए। उनमें से अकेले मंगन जिले के आठ पुल भी शामिल हैं। नामचि में दो और गंगटोक में एक पुल बह गया। राज्य के चार प्रभावित जिलों में पानी की पाइपलाइन, सीवर लाइनें और कच्चे और पक्के 277 घर क्षतिग्रस्त हो गए।

चुंगथांग शहर में बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान हुआ है, जिसमें इसका 80 प्रतिशत हिस्सा बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। राज्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण NH-10 के कई हिस्सों को भी नुकसान पहुंचा है। सिक्किम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अनुसार, पाकयोंग जिले में सात लोगों की मौत हुई है जबकि मंगन में चार और गंगटोक में तीन लोगों ने अपनी जान गंवा दी। आपदा में लापता 102 लोगों में से 59 लोग पाकयोंग से हैं, जिसमें सैन्यकर्मी भी शामिल हैं। गंगटोक से 22, मंगन से 16 और नामचि से पांच लोग लापता हैं। इस दौरान कुल 26 लोग घायल हुए हैं।

**NH-10 के कई हिस्सों को भी नुकसान पहुंचा है**

रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (BRO) चुंगथांग और मंगन में बचाव कार्यों में राज्य की मदद कर रहा है जहां चार महत्वपूर्ण पुल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। BRO ने भारी बारिश और बेहद खराब मौसम के बीच 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। मंगन जिले में इस आपदा से लगभग 10,000 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि पाकयोंग में 6,895, नामचि में 2,579 और गंगटोक में 2,570 लोग प्रभावित हुए हैं।

उत्तर सिक्किम में आए फ्लैश फ्लड में सेना की कई गाड़ियां भी बह गईं

## दो साल पहले झील फटने की दी गई थी वॉर्निंग

■ पीटीआई, नई दिल्ली : इंटरनैशनल रिसर्चरों की एक टीम ने स्टडी में दो साल पहले चेताया था कि सिक्किम में साउथ ल्होनक झील फट सकती है। इससे झील के निचले क्षेत्र काफी प्रभावित हो सकते हैं। 2021 में हुई स्टडी जर्नल ज्योमोर्फोलॉजी' में पब्लिश हुई थी। इसमें जिक्र किया गया था कि साउथ ल्होनक झील का लेवल बर्फ पिघलने की वजह से एक दशक में खासा बढ़ा है। झील के फटने से बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बर्फ पिघलने से झील में ज्यादा पानी आ जाने से बाढ़ आ जाती है। स्टडी बताती है कि 1962 से 2008 के बीच 46 साल में ग्लेशियर करीब दो किलोमीटर कम हुए हैं। 2008 से 2019 के बीच इसमें 400 मीटर की कमी आई है।

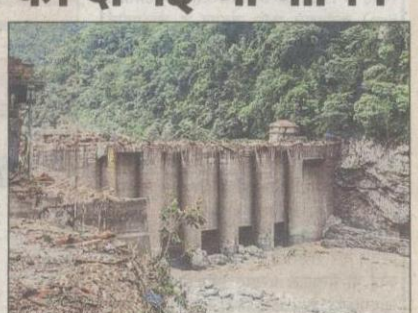

## 'सिर्फ सूटकेस लेकर हम घर से निकल गए'

■ पीटीआई, न्यू जलपाईगुड़ी: सिलीगुड़ी के पास माटीगारा में रहने वाली मिष्टी हलदार(28) बुधवार सुबह सोकर उठीं तो देखा कि तीस्ता नदी ठीक उनके बरामदे के बाहर से बह रही है। नॉर्मल दिनों में नदी उनके घर से करीब 250 मीटर की दूरी पर बहती थी। उन्होंने देखा कि नदी के तेज बहाव में तंबू, बर्तन और जानवरों के शव बह रहे थे। हलदार ने कहा, 'सिक्किम में अचानक आई बाढ़ और बारिश के कारण नदी में रात भर में उफान आ गया और हमारे जिले के निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। इसमें टूरिस्ट्स या सेना के तंबू और मलबा बह रहे थे। ये सब देखकर आंखों पर यकीन नहीं हो रहा था।' नदी का पानी बढ़ता देखकर पुलिस ने उनसे पास के स्कूल में जाने के लिए कहा जिसे शेल्टर के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हममें से कई लोग केवल सूटकेस लेकर निकल गए। हम अपने घरों की सलामती के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।' बाद में वॉटर लेवल कम हो गया और हलदार के साथ सैकड़ों लोग अपने-अपने घर लौट गए। जल और सिंचाई विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ से बचने के लिए तीस्ता नदी पर गाजोलडोबा बैराज के सभी फाटक खोलने होंगे।

**तीस्ता में आई बाढ़ से पश्चिम बंगाल में भी परेशानी**